विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत **25 मई 2020**

वर्ग सप्तम राजेश कुमार पाण्डेय

प्रथनः पाठः

सत्यस्य महत्वम्

- परं 'सत्यं वद' इति सम्यक् न स्मृतम्।
- लेकिन सत्य ही बोला कि ठीक से याद नहीं किया।
- कदाचिद् तु अनृतं वदामि एव। कुछ तो झूठ बोलता है ही।
- यावत् मनसः असत्यभाषणभावाः न अपसरन्ति तावत् कथं कथयितुं शक्नोमि, पाठः स्मृतः इति।
- जब तक मैं मन से असत्य भाव को नहीं निकाल देते हैं तब तक कैसे कह सकता हूं की पाठ याद कर लिया।
- भीमादयः सर्वे असत्यम् वदन्ति।
- भीम इत्यादि सभी तो झूठ ही बोलते हैं।
- तैः पाठः कण्ठीकृतः परं तस्य तत्वं न जानन्ति।
- वे लोग पाठ को कंठाग्र करते हैं पर उसके तत्व नहीं जानते हैं।
- अयम् एव मम दोषं, यत् अहं सत्यम् अवदन्। यही मेरा दोस्त है कि मैं सत्य बोला।।
- एतद् आकर्ण्य भीष्मद्रोणौ अतीव प्रसन्नौ अजायातम्। यह सुनकर भीष्म और द्रोण बहुत ही प्रसन्न हुए।
- भीष्मेन उक्तम् – 'अयम् एव अध्ययनस्य यथार्थं विधिः।
- भीष्म बोले-यह अध्ययन का यथार्थ(सही) विधि है।
- मनुष्य यत् पठेत तदैव आचरेत्।
- मनुष्य को जो पढ़ना चाहिए व्यवहार में लाना चाहिए। अर्थात उसका पालन करना चाहिए।
- आचरणं विधिः ज्ञानं निरर्थकम्।"
- आचरण के बिना ज्ञान निरर्थक होता है।